हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
सोमवार
29 दिसंबर 2025, पौष शुक्ल पक्ष, नवमी, विक्रम संवत् 2082, बरेली

बदला लेने के लिए आत्मा ने मांगा दोस्त का शरीर

नाट्य मंचन

बरेली। वरिष्ठ संवाददाता। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को नाटक बियॉन्ड द डेथ का मंचन हुआ। डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह लिखित नाटक का डॉ. प्रभाकर गुप्ता और अश्वनी कुमार ने नाट्य रूपांतरण किया है। निर्देशन विनायक कुमार श्रीवास्तव ने किया। नाटक एक सड़क दुर्घटना से आरंभ होता है जिसमें तीन लोगों की मृत्यु हो जाती है। अगले दृश्य में एक लड़का हार्दिक और उसकी मां बात करते दिखते हैं, तभी फोन की घंटी बजती है। उधर से बोलने वाला खुद को

रिद्धिमा में नाटक बियॉन्ड द डेथ का एक दृश्य।

हार्दिक से उसका दोस्त अस्तित्व बताता है और उसे होटल यूटोपियन लक्स में टेबल नंबर 10 पर बुलाता है। हार्दिक उससे मिलने जाता है और टेबल नंबर पर एक आदमी को देखता है जो अस्तित्व में नहीं है, लेकिन वह आदमी हार्दिक को पहचानने को कहता है। हार्दिक के इनकार पर वह खुद को अस्तित्व ही बताता है। कहता है कि एक सड़क दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो गई थी और वह इसी होटल में आए किसी व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर हार्दिक से बात करने की बात कहता है।

हार्दिक के सवाल किस तरह साथ देना है पर वह मर कर मेरा साथ देने को कहता है। यह सुन हार्दिक घबरा जाता है और थोड़ा समय मांगता है। नाटक में कोरियोग्राफी अंशु शर्मा, साउंड संचालन अरुण गंगवार और जफर, संगीत संचालन शिवा शर्मा और प्रकाश का संचालन जसवंत सिंह ने किया। यहां एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमेन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, देविशा मूर्ति, देवांश मूर्ति, उषा गुप्ता, सुभाष मेहरा, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।